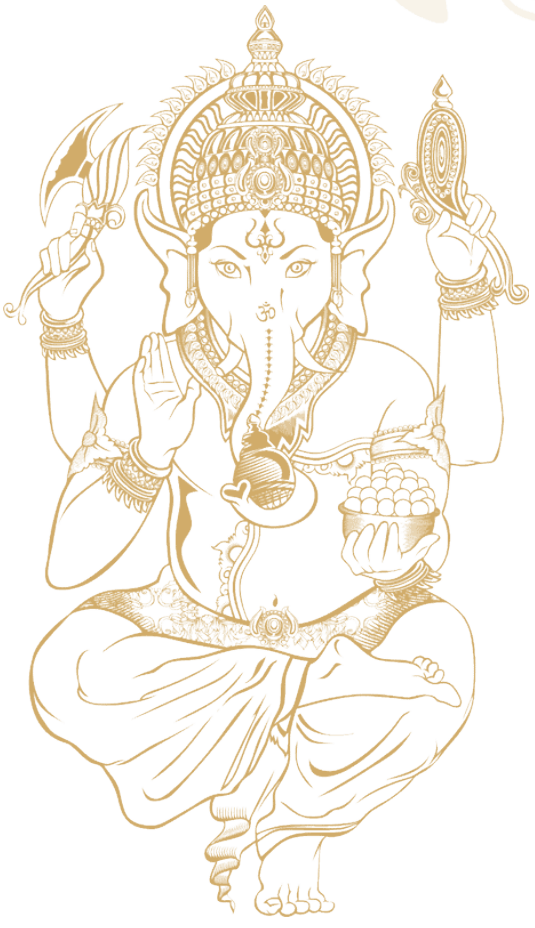

Manoj Goyal

Sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121870605

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14-15/09/1993	जन्म तिथि	4-05/02/1996
मंगल-बुधवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 03:45:00	जन्म समय	07:00:00 घंटे
घटी 54:10:53	जन्म समय(घटी)	59:41:15 घटी
India	देश	India
Ghaziabad	स्थान	Ghaziabad
28:40:00 उत्तर	अक्षांश	28:40:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व	रेखांश	77:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16	स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:38	सूर्योदय	07:07:29
18:26:36	सूर्यास्त	18:01:04
23:46:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:17

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 1मा 16दि	27:04:13	कर्क	लग्न	मक	18:28:19	बुध 4वर्ष 11मा 9दि
चन्द्र	28:19:29	सिंह	सूर्य	मक	21:43:04	शुक्र
01/11/2020	11:10:54	सिंह	चंद्र	कर्क	26:07:23	15/01/2008
01/11/2030	28:05:44	कन्या	मंगल	मक	27:56:46	15/01/2028
चन्द्र 01/09/2021	11:59:39	कन्या	बुध	धनु	27:06:28	शुक्र 16/05/2011
मंगल 02/04/2022	24:08:20	कन्या	गुरु	धनु	13:17:18	सूर्य 16/05/2012
राहु 02/10/2023	28:07:36	कर्क	शुक्र	मीन	01:23:32	चन्द्र 14/01/2014
गुरु 31/01/2025	01:20:02	कुंभ व	शनि	कुंभ	28:43:14	मंगल 17/03/2015
शनि 01/09/2026	12:22:00	वृश्चि व	राहु व	कन्या	25:20:42	राहु 16/03/2018
बुध 01/02/2028	12:22:00	वृष व	केतु व	मीन	25:20:42	गुरु 14/11/2020
केतु 01/09/2028	24:31:14	धनु व	हर्ष	मक	07:35:13	शनि 15/01/2024
शुक्र 03/05/2030	24:39:57	धनु व	नेप	मक	02:11:19	बुध 15/11/2026
सूर्य 01/11/2030	29:27:50	तुला	प्लूटो	वृश्चि	09:03:04	केतु 15/01/2028

लग्न-चलित

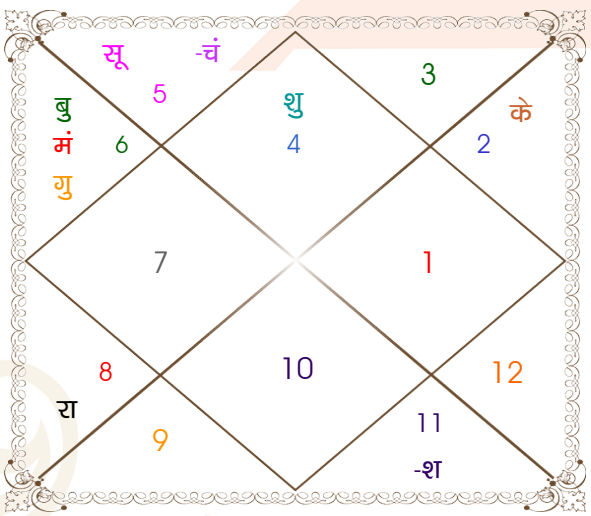

लग्न-चलित

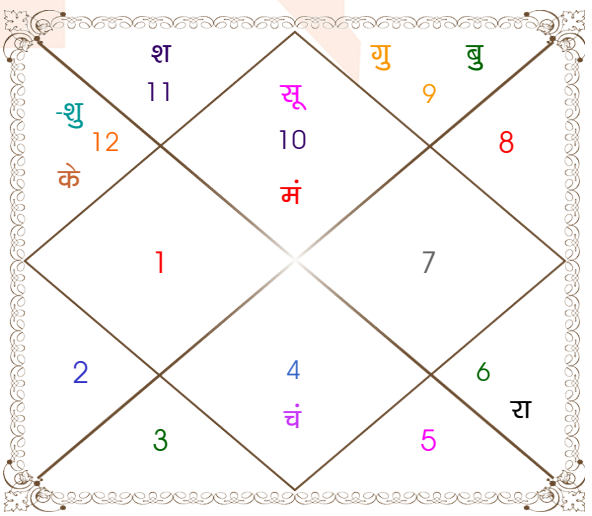

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मार्जार	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डंदवर ळवलंस का वर्ग मूषक है तथाँीप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डंदवर ळवलंस औरँीप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डंदवर ळवलंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ँीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगलँीप कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगलँीप कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डंदवर ळवलंस कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डंदवर ळवलंस तथाैीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।